GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CHEMICALS & FERTILIZERS
DEPARTMENT OF FERTILIZERS

**RAJYA SABHA**

**STARRED** QUESTION **NO. 139*** TO BE ANSWERED **ON: 20.12.2022**

**Revival of defunct fertilizer plants**

***139 SHRI KANAKAMEDALA RAVINDRA KUMAR:**

Will the Minister of **CHEMICALS AND FERTILIZERS** be pleased to state:

(a) the details of the fertilizer plants that are hitherto lying closed for years and were recently made operational;

(b) the details of the quantity of fertilizers that are expected to be produced on the revival of these hitherto closed fertilizer plants; and

(c) the details of the funds spent, if any, in reviving these fertilizer plants?

**ANSWER**

MINISTER OF HEALTH & FAMILY WELFARE AND CHEMICALS & FERTILZERS

**(DR. MANSUKH MANDAVIYA)**

---

*(a) to (c) : A Statement is laid on the Table of the House.

*****

**STATEMENT REFERRED TO IN REPLY TO PARTS (a) TO (c) OF THE RAJYA SABHA STARRED QUESTION NO. 139* TO BE ANSWERED ON 20.12.2022 REGARDING"REVIVAL OF DEFUNCT FERTILIZER PLANTS"**

(a) to (c): Government of India has mandated revival of Talcher, Ramagundam, Gorakhpur and Sindri plants of Fertilizer Corporation of India Ltd (FCIL) and Barauni plant of Hindustan Fertilizer Corporation Ltd (HFCL) by forming Joint Venture Company of nominated PSUs as per details given below: -

| Sl No. | Name of the Joint Venture Companies & Location | State | Capacity (in LMTPA) | Commissioning date | Cost incurred in reviving of these fertilizer plants (Rs in crore) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Ramagundam Fertilizers & Chemicals Ltd (RFCL), Ramagundam, | Telangana | 12.7 | 22.03.2021 | 6338 |
| 2 | Hindustan Urvarak & Rasayan Ltd (HURL), Gorakhpur, | Uttar Pradesh | 12.7 | 07.12.2021 | 8603 |
| 3 | HURL, Sindri, | Jharkhand | 12.7 | Started urea production on 05.11.2022 | 8130 |
| 4 | HURL, Barauni, | Bihar | 12.7 | Started urea production on 18.10.2022 | 8388 |

*********

भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग
**राज्य सभा**
**तारांकित** प्रश्न संख्या **139***

जिसका उत्तर मंगलवार, 20 दिसम्बर, 2022/29 अग्रहायण, 1944 (शक) को दिया जाना है।

**बंद पड़े उर्वरक संयंत्रों को फिर से शुरू करना**

***139. श्री कनकमेदला रवींद्र कुमारः**

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उन उर्वरक संयंत्रों का ब्यौरा क्या है जो वर्षों से बंद पड़े थे और जिन्हें हाल ही में चालू किया गया है;

(ख) अब तक बंद पड़े इन उर्वरक संयंत्रों को फिर से शुरू करने के परिणामस्वरूप होने वाले उर्वरकों के संभावित उत्पादन की मात्रा का ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि इन उर्वरक संयंत्रों के पुनरुद्धार पर कोई निधि खर्च की गई है, तो उसका ब्यौरा क्या है?

**<u>उत्तर</u>**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा रसायन और उर्वरक मंत्री**
**(डा. मनसुख मांडविया)**

---

**(क) से (ग):** विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

********

**"बंद पड़े उर्वरक संयंत्रों को फिर से शुरू करना" के संबंध में दिनांक 20.12.2022 को उत्तर दिये जाने वाले राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं. 139* भाग के (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण**

----------

**(क) से (ग):** भारत सरकार ने नीचे दिए गए ब्यौरे के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र के नामित उपक्रमों की संयुक्त उद्यम कंपनी गठित करके फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एफसीआईएल) के रामागुंडम, गोरखपुर और सिंदरी संयंत्रों तथा हिंदुस्तान फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचएफसीएल) के बरौनी संयंत्र का पुनरुद्धार करने का अधिदेश दिया है:-

| क्र.सं. | संयुक्त उद्यम कंपनियों का नाम और स्थान | राज्य | क्षमता (एलएमटीपीए में) | आरंभ की तारीख | इन उर्वरक संयंत्रों का पुनरुद्धार करने में आयी लागत (रु. करोड़ में) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल), रामागुंडम | तेलंगाना | 12.7 | 22.03.2021 | 6338 |
| 2 | हिंदुस्तान उर्वरक एंड रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल), गोरखपुर | उत्तर प्रदेश | 12.7 | 07.12.2021 | 8603 |
| 3 | एचयूआरएल, सिंदरी | झारखंड | 12.7 | 05.11.2022 को यूरिया उत्पादन आरंभ हुआ | 8130 |
| 4 | एचयूआरएल, बरौनी | बिहार | 12.7 | 18.10.2022 को यूरिया उत्पादन आरंभ हुआ | 8388 |

*****

SHRI KANAKAMEDALA RAVINDRA KUMAR: Sir, from the perusal of the answer it can be seen that the production capacity of all the four revived plants have similar production capacity. I would like to know from the hon. Minister whether there has been any substantial increase in the production capacity in all the revived plants or the production capacity is still the same as it was before the revival.

**श्री भगवंत खूबा** : डिप्टी चेयरमैन सर, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न पूछा है, अभी तक चार फर्टिलाइज़र कम्पनीज़ का प्रारम्भ हो चुका है - रामागुंडम, गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी। इन चारों कारखानों में हर साल 12.7 लाख मीट्रिक टन उत्पादन की क्षमता है। अभी इसी क्षमता के अन्दर इनमें काम चल रहा है। स्टार्टिंग में जो भी कम्पनी चालू होती है, उसमें कुछ टीथिंग प्रॉब्लमस रहती हैं, लेकिन उनको रिज़ॉल्व करके, सालाना 12.7 लाख मीट्रिक टन के हिसाब से उत्पादन शुरू हो चुका है।

SHRI KANAKAMEDALA RAVINDRA KUMAR: Sir, on perusal of the reply, one can easily understand that heavy cost has been incurred in reviving these four plants. I would like to know from the hon. Minister, in view of revival of these four plants, whether import of fertilizers and urea has reduced to a considerable extent or not.

**श्री भगवंत खूबा** : डिप्टी चेयरमैन सर, कोरोना की वजह से एवं अन्य कई कारणों की वजह से प्लांट की लागत बढ़ चुकी है। अभी माननीय सदस्य यूरिया के ऊपर आने वाले एक्सपेंडिचर की जो बात पूछ रहे हैं, इंटरनेशनल मार्केट में यूरिया के भाव में बहुत अप-डाउन होने और गैस के इम्पोर्ट की कीमत बढ़ने के कारण किसानों के ऊपर कीमत को लेकर ज्यादा बोझ न बढ़े, हमारा यह प्रयास है। देश के किसानों को जो 260 रुपये प्रति बैग यूरिया देने का हमारा कमिटमेंट है, उसी कीमत में आज भी नरेन्द्र मोदी सरकार उनको दे रही है। निश्चित रूप से अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर इसके रेट्स बढ़ने की वजह से बजट में इसके ऊपर लगने वाला खर्च बढ़ चुका है।

**रसायन और उर्वरक मंत्री (डा. मनसुख मांडविया)** : माननीय उपसभापति महोदय, यूरिया फर्टिलाइज़र का प्रश्न बहुत महत्वपूर्ण है। सम्माननीय सदस्य ने प्रश्न पूछा है कि यूरिया फर्टिलाइज़र की रिक्वायरमेंट के अनुसार प्रोडक्शन हो रहा है या नहीं। माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को और देश को बताना चाहूंगा कि हमारे देश में प्रति वर्ष यूरिया फर्टिलाइज़र का कंज़म्प्शन 325 से 350 लाख मीट्रिक टन होता है। 240 से 245 लाख मीट्रिक टन इंडिजिनस प्रोडक्शन होता है और 70 से 80 लाख मीट्रिक टन हमें इम्पोर्ट करना पड़ता है। इम्पोर्ट पर हमारी डिपेंडेंसी कम हो, इसलिए प्रधान मंत्री मोदी जी ने यह तय किया कि उर्वरक का, यूरिया का प्रोडक्शन देश में ही हो। इसके लिए 2016 में पांच प्लांट्स के रिवाइवल का डिसीज़न लिया गया और इनमें से दो प्लांट्स का इनॉगरेशन किया गया। रामागुंडम फर्टिलाइज़र्स एंड कैमिकल्स लिमिटेड, रामागुंडम और हिन्दुस्तान उर्वरक एंड रसायन लिमिटेड, गोरखपुर को राष्ट्र को समर्पित किया गया। एचयूआरएल, सिंदरी और एचयूआरएल, बरौनी, इन दोनों में

प्रोडक्शन चालू हो चुका है, थोड़े दिन में इनका भी इनॉगरेशन किया जाएगा। तालचेर प्लांट का काम भी बहुत तेज़ी से चल रहा है, जो 2022 तक पूरा हो जाएगा।

माननीय उपसभापति महोदय, मैं विशेष तौर पर आपके माध्यम से यह बताना चाहता हूं कि मोदी गवर्नमेंट किसानों के प्रति कमिटेड गवर्नमेंट है। 2022 के फर्स्ट क्वार्टर और सेकंड क्वार्टर में फर्टिलाइज़र्स के प्राइस एकदम बढ़ गए थे। इंटरनेशनल प्राइस बढ़ने की वजह से, इसके एक डीएपी बैग का प्राइस 4,000 रुपये हो गया था, लेकिन किसानों को हम यह बैग 1,350 रुपये में देते थे। इसी तरह यूरिया के प्राइस भी बढ़ गए थे और उनकी कीमत 4,000 रुपये प्रति डीएपी बैग हो गई थी, लेकिन किसानों को हम यह 266 रुपये प्रति डीएपी बैग पर बेचते थे। यानी ऐसा समय आ गया था, जब हमें देखना था कि अब हम किसानों के लिए इनके प्राइस बढ़ाएं या सब्सिडी बढ़ाएं। ऐसी स्थिति में, प्रधान मंत्री जी ने हमें आदेश दिया कि हमें किसान के ऊपर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं डालना है, हमें किसानों की मदद करनी है, इसलिए सालाना सवा लाख रुपये ...(**व्यवधान**)..

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please be brief.

**डा. मनसुख मांडविया** : सर, एक मिनट, यह इम्पॉर्टेंट प्रश्न है।

**श्री उपसभापति** : माननीय मंत्री जी, सारे सवाल ही इम्पॉर्टेंट हैं।

**डा. मनसुख मांडविया** : मैं आपके माध्यम से सदन को यह बताना चाहता हूं कि इस पर हमारी सब्सिडी पहले सवा लाख करोड़ रुपये थी, लेकिन प्रधान मंत्री जी ने इस सब्सिडी को सवा लाख करोड़ रुपये से बढ़ा कर, ढाई लाख करोड़ रुपये कर दिया। इस तरह हमने किसानों पर बोझ नहीं आने दिया। आज किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद मिल रही है और यह सब माननीय प्रधान मंत्री जी के एफर्ट्स से सम्भव हुआ।

**डा. अशोक बाजपेयी** : माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि हिन्दुस्तान उर्वरक एंड रसायन लिमिटेड, गोरखपुर कारखाने को चलते हुए लगभग एक वर्ष हो गया है। इस एक वर्ष में वहां यूरिया का कितना उत्पादन हुआ है? मान्यवर, इन चारों कारखानों के चलने के बाद कितनी विदेशी मुद्रा की बचत हुई है?

**श्री उपसभापति** : माननीय बाजपेयी जी, आपका एक सवाल हो गया है।

**डा. अशोक बाजपेयी** : मान्यवर, दोनों सवाल एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं, मैं जानना चाहता हूं कि इससे कितनी विदेशी मुद्रा की बचत हुई है?

**श्री उपसभापति** : नहीं, प्लीज़, दूसरों को भी अपॉर्चुनिटी मिलनी चाहिए।

**डा. मनसुख मांडविया** : महोदय, गोरखपुर प्लांट की क्षमता 12 लाख मीट्रिक टन की है और यह एक साल से निरंतर चल रहा है। इसका 6 लाख मीट्रिक टन से अधिक प्रोडक्शन ऑलरेडी आ चुका है। इसका एक सिस्टम होता है, बीच में तीन महीने के बाद उसे बंद करना पड़ता है, उसके बाद उसको फिर चालू करना पड़ता है। यह नया प्लांट है, अभी यह रेग्युलर चालू हो गया है और इसमें प्रोडक्शन चल रहा है।

SHRI JOSE K. MANI: Sir, fertilizer import from Russia has seen a sharp increase this year, making Russia India's top supplier. However, the Russian plan to make the supply costly by setting export tax at 23.5 per cent, thus, making the price more than 450 dollars, per tonne, is worrying. My question to the hon. Minister is this. How does the Government plan to ensure adequate supply of fertilizer to farmers at an affordable price?

**डा. मनसुख मांडविया** : महोदय, सरकार का कमिटमेंट है कि किसानों को खाद मिलनी चाहिए और सस्ती मिलनी चाहिए। इस बार जैसी स्थिति पैदा हुई, उसमें डेवलप्ड कंट्रीज़ में भी फर्टिलाइज़र राशन से मिलना चालू हो गया था। दुनिया में कहीं भी फर्टिलाइज़र उपलब्ध नहीं था। वैसी स्थिति में भी देश में हमने फर्टिलाइज़र की कमी नहीं होने दी और किसानों को फर्टिलाइज़र उपलब्ध कराया।

दूसरी बात यह है कि किसानों को सस्ता फर्टिलाइज़र मिले, फर्टिलाइज़र में इनोवेशन हो और ऑल्टरनेट फर्टिलाइज़र भी उपलब्ध हो, इसलिए माननीय प्रधान मंत्री जी की प्रेरणा से देश के ही साइंटिस्ट्स ने नैनो फर्टिलाइज़र की रिसर्च की, उसका आविष्कार किया, उसका कमर्शियलाइज़ेशन चालू हुआ और एक आज one 500 ml. bottle of nano urea is equivalent to one bag of urea. मैंने सभी सम्माननीय सांसदों को एक चीज भेजी है। आप अपने-अपने क्षेत्रों में उसे किसानों को दीजिए, इसके लिए अवेयरनेस कैम्पेन चलाइये, यह ईको-फ्रेंडली है, इसमें केमिकल्स नहीं हैं। कैमिकल्स फर्टिलाइज़र का कंजम्प्शन कम करके उसका प्रोडक्शन कम न हो और किसानों को सस्ता फर्टिलाइज़र मिले, इसलिए नैनो-यूरिया ऑलरेडी आ चुका है। अभी नैनो-डीएपी पर रिसर्च चल रही है। ऐसे ऑल्टरनेट फर्टिलाइज़र लाकर किसान अपनी फसल भी बढ़ा पायें, किसानों का खर्च भी कम हो और वे ईको-फ्रेंडली होने के साथ-साथ हेल्थ के लिए भी अच्छा हो, इस दिशा में सरकार प्रयास कर रही है।

**श्रीमती सुलता देव** : उपसभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देती हूं। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहती हूं कि भारतवर्ष में जो पहला यूरिया प्लांट डस्ट एंड कोल गैसिफिकेशन टैक्नोलॉजी बेस्ड है, वह हमारे डिस्ट्रिक्ट में तालचेर फर्टिलाइज़र प्लांट के नाम से स्थित है, यह बहुत दिनों से बंद पड़ा है। इस बारे में अभी मंत्री जी बोल रहे थे कि काम चल रहा है। हम पिछले दस सालों से अधिक समय से सुनते आ रहे हैं कि इस पर काम चल रहा है। मैं जानना चाहती हूं कि यह काम कब खत्म होगा और वह काम पूरा होने पर इसका बेनिफिट ओडिशा के लोगों के साथ-साथ सारे भारतवर्ष को

मिलेगा, क्योंकि इस जगह कोल गैसिफिकेशन से जो यूरिया का उत्पादन हो रहा है, यह जगह कोल माइन्स से भरी हुई है, धन्यवाद।

**डा. मनसुख मांडविया** : महोदय, यूरिया प्लांट में 70 परसेंट गैस होती है या कोल गैस होती है। ज्यादातर दुनिया में गैस बेस्ड प्लांट्स हैं। यह एक नया प्रयोग है, क्योंकि देश में कोयला खूब उपलब्ध है, तो कोयले का उपयोग करके कोल बेस्ड गैसिफिकेशन प्लांट हम तालचेर में बना रहे हैं। यह एक नई टेक्नोलॉजी का प्लांट है, इस पर ऑलरेडी तेज गति से काम चल रहा है। बीच में कोल क्राइसेज़ की वजह से लगभग डेढ़ साल तक काम रुका था, लेकिन हमने अब बहुत तेज गति से काम चालू कर दिया है। हमारी प्लानिंग है कि सितम्बर, 2024 तक हम इस प्लांट का काम पूरा कर देंगे और वहां से खाद का उत्पादन होकर वह इस क्षेत्र में मिलना शुरू हो जाएगा।

**श्री उपसभापति** : प्रश्न संख्या 140.